कविता - तोप कवि - वीरेन डंगवाल

प्रश्न - 1

विरासत का तात्पर्य उत्तराधिकार में मिला धन एवं वस्तुएँ होती हैं। अपने पूर्वजों से मिली इन चीजों में हम अपने पूर्वजों की उपस्थिति का अनुभव करते हैं। इसके साथ - साथ तोप हमारे पूर्वजों की ~~हमें~~ याद दिलाती है कि उन्होंने अपना जीवन कैसे बिताया होगा। ये हमें उनकी उपलब्धियों के विषय में भी बताती हैं। विरासत में मिली चीजों को अपने पूर्वजों के आशीर्वाद के रूप में भी संभालकर रखा जाता है। अतः विरासत में मिली चीजें हमारे लिए अमूल्य हैं इन्हें हम संभालकर रखते हैं।

प्रश्न - 2.

तोप कविता हमें कंपनी बाग में रखी तोप के विषय में बताती है कि यह सन् 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के समय अंग्रेज़ी सेना द्वारा प्रयोग की गई तोप है। इसे वर्ष में दो बार चमकाया जाता है यह हमारी धरोहर के रूप में विद्यमान है। यह वही तोप है जिसने अनेक देशभक्त वीरों को मौत के ~~मुँह~~ घाट उतार दिया था। अब यह बच्चों की घुड़सवारी करने के काम आती है। कभी-कभी चिड़ियाँ शैतानी करती हुई इसके भीतर घुस जाया करती हैं। यह तोप हमें बताती है कि कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो एक न एक दिन अपना मुँह बंद करके धराशायी होना पड़ता है।

प्रश्न 3.

कंपनी बाग में रखी तोप हमें यह सीख देती है कि भविष्य में कभी किसी विदेशी कंपनी को अपने देश में पाँव जमाने नहीं देना चाहिए। तोप ने हमें पूर्वजों की गलतियों का अहसास दिलाती हुई कहती है कि यदि हम उन पर विश्वास करेंगे जिनकी नीयत ठीक न हो तो हमारा यह देश फिर से गुलाम हो सकता है और फिर से वही तांडव शुरू हो सकता है जिसके घाव अभी तक नहीं भरे हैं। यह तोप हमें अपनी पुरानी गलतियों से शिक्षा लेने की सीख देती है।

प्रश्न - 4.

ये वे अवसर संभवतः 15 अगस्त एवं 26 जनवरी होंगे। यह तोप हमारे स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाती है। ये दोनों अवसर इसी से जुड़े हुए हैं।